पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने वर्ल्ड फोरम आफ फिशर पीपुल्स का उद्घाटन किया
मछुआरा समुदाय के विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय नीति आवश्यक - श्री नाईक

लखनऊः 15 नवम्बर, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने मत्स्य संसाधनों की निरन्तरता बनाये रखने हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित 'नील क्रांति' एवं 'समुद्री मत्स्य उत्पादन राष्ट्रीय नीति-2017' के लिए उन्हें धन्यवाद दिया है। राज्यपाल ने मछुआरा समुदाय की विभिन्न समस्याओं के दृष्टिगत उन्हें किसानों की भांति केन्द्र एवं राज्य सरकार के स्तर से सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मत्स्य व्यवसाय से जुड़े लोगों के लिये भी एक व्यापक नीति बननी चाहिए।

राज्यपाल श्री नाईक उक्त विचार आज नई दिल्ली में आयोजित वर्ल्ड फोरम आफ फिशर पीपुल्स की 7वीं आम सभा के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त कर रहे थे। राज्यपाल ने मछुआरा समुदाय के अंतर्राष्ट्रीय नेता स्व0 फादर थामस कोचरी को अपनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की। इस अवसर पर दक्षिण अफ्रीका से आये वर्ल्ड फोरम आॅफ फिशर पीपुल्स के महासचिव श्री नसीग जाफर, केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह, अन्य राज्यों के मंत्रीगण, मत्स्य व्यवसवाय से जुड़े राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के पदाधिकारीगण, महाराष्ट्र से बड़ी संख्या में आये मछुआरा समुदाय के प्रतिनिधियों सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। अधिवेशन में विश्व के 42 देशों से आये विशिष्टजनों ने प्रतिभाग किया। 7 दिन चलने वाले इस अधिवेशन की समाप्ति 21 नवम्बर को 'विश्व मत्स्य दिवस' पर होगी।

राज्यपाल ने बताया कि राजनैतिक जीवन में उन्हें मछुआरा समुदाय को करीब से जानने का अवसर मिला। मछुआरा समुदाय से विचारों के आदान-प्रदान से उनकी समस्याओं को समझते हुए उन्होंने मत्स्य उत्पादन एवं संवर्द्धन से जुड़े लोगों के लिए एक अलग मंत्रालय बनाने की मांग की थी। मुंबई के स्वर्गीय भाई बंदकर के योगदान को याद करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वे जीवनभर मत्स्य से जुड़े लोगों के लिए संघर्षरत रहे। देश के सामाजिक, आर्थिक तथा जीविकोपार्जन की निरन्तरता के लक्ष्यों की प्राप्ति के साथ ही मछुआरा समुदाय के सामाजिक एवं आर्थिक उन्नयन पर भी पूरा-पूरा ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मत्स्य उत्पादन क्षेत्र में महिलाओं के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए उनकी सुविधाओं पर भी विचार करना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या एवं घटते संसाधनों को देखते हुए मछली एवं समुद्री उत्पाद भविष्य में बेहतर आहार के रूप में उपलब्ध होंगे। मत्स्य उद्योग एक व्यापक एवं वैश्विक उद्योग है। देश की मत्स्य मांग एवं निर्यात के लिए इसके उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के साथ गुणवत्ता पर भी ध्यान रखना चाहिए। मत्स्य उद्योग रोजगार, भोजन तथा व्यवसाय की दृष्टि से एक उभरता हुआ उद्योग है। मत्स्यपालन के सघनीकरण, मछलियों की लाभकारी प्रजातियों को बढ़ाने, जलाशयों एवं झीलों के विस्तार के लिए मछुआरा समुदाय को जागरूक करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सीमाओं के विवाद में मछुआरा समुदाय प्रभावित होता है, वार्ता कर इस समस्या के स्थायी हल तलाशे जाने चाहिए।

राज्यपाल ने 1999 में सातपाटी, महाराष्ट्र में तटीय क्षरण एवं उच्च ज्वार जैसी प्राकृतिक आपदा से स्थानीय मछुआरा समुदाय के निराश्रित होने की घटना का भी उल्लेख किया। राज्यपाल ने कहा कि समुद्र एवं जलाशय न केवल हमारी जीविका के स्रोत हैं बल्कि पृथ्वी पर जीवन के आवश्यक तत्व भी है। प्राकृतिक संसाधनों को पुष्पित-पल्वित करना तथा उन्हें सशक्त बनाना हमारा कर्तव्य है। हमें एक ऐसी नीति बनानी होगी जो प्राकृतिक संसाधनों के अनावश्यक दोहन पर प्रतिबंध लगाये जिससे प्राकृतिक आपदाओं से बचा जा सके।

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री राधा मोहन सिंह ने केन्द्र द्वारा कृषि एवं विशेष रूप से मत्स्य विकास के क्षेत्र में चलायी जा रही योजनाओं का उल्लेख किया तथा मछुआरों की सुरक्षा के प्रति गंभीरता प्रकट की।

अंजुम/ललित/राजभवन (427/14)

World forum of
Fisher Peoples
7th General Assembly
15-21 November 2017 | New Delhi, India